Sr No.	Asava-Arishta Name	Use
01	अभ्यारिष्ट	बवासीर, उदररोग, मन्दाग्नि, मुत्रघात, यकृत, गुल्म
02	अन्गुरासव	बाजीकरण, बलवृद्धक और पुष्टिकारक
03	अमृतारिष्ट	ज्वर के कारण आई दुर्बलता, विषम ज्वर, प्लीहा और यकृत जन्य ज्वर
04	अरविदासव	बच्चों की कमजोरी, चिडचिडापन, पतले दस्त आदि में फायदेमंद
05	अर्जुनारिष्ट	विशेषकर हृदयरोगों में उपयोगी
06	अशोकारिष्ट	स्त्रियों के लिए उत्तम दवा
07	अहिफेनासव	अतिसार, हैजा, नाड़ी का छूटना, वमन, दस्त एवं पेशाब की समस्या
08	अश्वगंधारिष्ट	कमजोरी दूर होकर शरीर एवं दिमाग में ताकत मिलती है |
09	उशिरासव	नाक, कान, आँखे, मल-मूत्र द्वार से होने वाले रक्त स्राव, बवासीर, स्वप्नदो
10	एलाध्यरिष्ट	शीत-वीर्य, पाचन, रक्त-प्रसादन, मूत्रल, दीपन एवं विषघ्न
11	कनकारिष्ट	उत्तम रक्तशोधक
12	कनकासव	श्वास, कास, यक्ष्मा, उर:क्षत, क्षय, पुराना ज्वर, रक्त-पित्त आदि में शीघ्र लाभ
13	कुट्जारिष्ट	संग्रहणी, अतिसार, कृमि, आमांश, अग्निमान्ध्य, अरुचि दुर्बलता
14	कर्पुरासव	हैजा, अजीर्ण, बदहजमी, पेट के दर्द, जी मचलाना
15	कालमेघासवा	सभी प्रकार के ज्वर, पीलिया आदि में उपयोगी
16	कुमार्यासव न.1	इसके सेवन से गुल्म, परिणाम शूल, अपस्मार, स्मृतिनाश, मुत्रिक्रच्छ, जुकाम
17	कुमार्यासव न. 2	उदर रोग, शूल, अजीर्ण, यकृत वृद्धि, प्लीहावृद्धि, गुल्म एवं भूख न लगने

Swadeshi® Upchar

Sr No.	Asava-Arishta Name	Use
18	कुमारीआसव न. 3	खांसी, श्वास, क्षय, उदर रोग, बवासीर एवं वातव्याधि में उपयोगी
19	कुमार्यासव न. 4	उदर रोग, गुल्म, जलोदर, कृमिरोग, पांडू, अशक्ति, शुक्रदोष
20	खदिरारिष्ट	सभी प्रकार के चर्म विकारों में उपयोगी
21	चव्यकारिष्ट	गुल्म, प्रमेह, जुकाम, क्षय खांसी, अष्ठिला एवं वातरक्त
22	चन्दनासव	पेशाब में धातु जाना, स्वप्नदोष, कमजोरी, पेशाब की जलन
23	चितचंदिरासव	सौम्यगुण युक्त, दीपन, पाचन, कब्जनाशक और श्रेष्ट बलकारक
24	जिरकाध्यरिष्ट	संग्रहणी, मन्दाग्नि, अतिसार, सूतिका, आफरा आदि रोगों में लाभ मिलता
25	त्रिफलारिष्ट	हृदयरोग, अरुचि, प्रमेह, पांडू, शोथ, प्लीहा वृद्धि, चक्कर आना, कुष्ठ, खुजली,
26	तक्रारिष्ट	सुजन, गुल्म, अर्श, कृमि, प्रमेह, गृहणी, अतिसार और उदर रोगों में शीघ्र ला
27	दशमूलारिष्ट	धातुगत क्षय, खांसी, श्वास, अरुचि, पांडू एवं सभी प्रकार की वात व्याधियों
28	दंती अरिष्ट	बवासीर, गृहणी, पांडू, अरुचि
29	द्राक्षारिष्ट	शरीर में बल वर्द्धन, खांसी, जुकाम, कब्ज एवं फेफड़ों की कमजोरी
30	द्राक्षासव	गृहणी, रक्तदोष, कुष्ठ, कृमि, पांडू, बवासीर, काली खांसी, गले एवं मष्तिष्क
31	धान्यपंच्कारिष्ट	दीपन एवं पाचन, अतिसार, प्रवाहिका और संग्रहणी
32	नारिकेलासव	पौष्टिक, बल - वीर्य बढाने वाला और बाजीकरण है
33	पुनर्नवारिष्ट	पांडू, हृदयरोग, सुजन, गुल्म, भगंदर, अर्श
34	पर्पटाद्यारिष्ट	पीलिया,हलीम्क, खून की कमी, गुल्म, उदर रोग, प्लीहावृद्धि

Sr No.	Asava-Arishta Name	Use
35	पिपल्यासवा	गृहणी, खून की कमी, अर्श, क्षय, गुल्म, उदर रोग,
36	पत्रन्गासवा	रक्त प्रदर, श्वेत प्रदर, कमजोरी, दुष्टर्तव एवं दर्द के साथ मासिक धर्म आ
37	फलारिष्ट	गृहणी, अर्श, हृदयरोग, पांडू, प्लीहा, कमला, विषम ज्वर एवं भूह न लगने की
38	बबुलारिष्ट	सोमरोग, उर:क्षत, दमा, खांसी के साथ खून आना
39	वासरिष्ट	सुजन, कमजोरी, गर्भाशय की कमजोरी
40	विदंगासवा	उदरकृमि, विद्रधि, गुल्म, उरुस्तम्भ, अश्मरी, प्रमेह में उपयोगी
41	भृंगराजसव	धातु-क्षय, राजयक्ष्मा, खांसी, कृशता, स्मरण शक्ति की कमजोरी, नेत्र रोग, ब
42	महामंजिष्ठाध्य रिष्ट	कुष्ठ रोग, वातरक्त, अर्दित, मोटापा, एवं त्वचा विकार
43	मंडूराध्रिष्ट	खून की कमी, हृदय रोग, कास, दमा, सुजन एवं पांडू रोग
44	मध्वारिष्ट	हृदयरोग, पांडू, गृहणी, कुष्ठ, अर्श, ज्वर, शोथ
45	मुस्तकारिष्ट	अतिसार, संग्रहणी, अजीर्ण, मन्दाग्नि, विशुचिका
46	लोध्रासव	पेशाब की समस्या
47	रोहितकारिष्ट	तिल्ली, यकृत, वायुगोला, मन्दाग्नि, हृदय रोग, एनीमिया, छाई, अरुचि, पीलिय
48	लावंगासव	अर्श, उदर रोग, कुष्ठ, सुजन, ग्रंथिरोग,
49	लोहासव	खून बढ़ाने की बेहतरीन टॉनिक
50	श्रीखंडासव	रक्तपित्त, प्यास की अधिकता, बाहयदोष, भगंदर
51	सुंदरीकल्प	स्त्रियों के सभी रोगों में विशेष लाभकारी

Swadeshi® Upchar

Sr No.	Asava-Arishta Name	Use
52	सारस्वतरिष्ट	आयु, वीर्य, बुद्धि, बल एवं स्मरण शक्ति को बढाने में सहायक

Swadeshi® Upchar